आल इंडिया मीडिया प्रशिक्षण का शुभारम्भ

ओम शान्ति रीट्रिट सेन्टर भोराकलाँ, गुड़गॉव में 18 से 28 जुलाई, 2008 तक ब्रह्माकुमारी संस्था के मीडिया प्रभाग द्वारा आयोजित 7 दिवसीय 'आल इंडिया मीडिया ट्रेनिंग' का 19 जुलाई, 2008 को प्रात: 10 बजे भारतीय परम्परानुसार दीप प्रज्ज्वलन कर ट्रेनिंग कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। इसमें देश भर से आये 200 से ज्यादा मीडिया प्रभाग के सदस्य, सेवाकेन्द्रों की टीचर्स बहने तथा मीडिया सेवा में रूचि रखने वाले भाई बहनों को सम्बोधित करते हुए प्यूरिटी मैगजिन के प्रधान सम्पादक ब्र. कु बृजमोहन ने कहा कि मीडिया का अर्थ माध्यम है। समाज में जो कुछ होता है उसमें कुछ जोड़कर मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाते हैं। दुनियां को तो और किसी ने मुट्ठी में तो नहीं कर पाया परन्तु मीडिया ने सचमुच मुट्ठी में कर लिया है। मीडिया द्वारा जो भी लोगों तक पहुंचता है उसका मनुष्य के मानस पर पटल पर पड़ता है। आज लोगों का जितना मीडिया से विश्वास बढ़ा है, उतना ही मीडिया लोगों से विश्वासघात कर रहा है। मीडिया का कार्य लोगों की उलझन को दूर करना है। मुझे विश्वास है कि इस ट्रेनिंग से सभी को ऐसी सेवा करने का मौका मिलेगा।

मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष, ब्र. कु. ओम प्रकाश ने मीडिया प्रशिक्षण का उद्देश्य बताते हुए कहा कि सूचना और प्रोद्योगिकी ने मीडिया को बहुत शक्तिशाली बना दिया है। बाबा को मीडिया की इसलिए आवश्यकता है कि परमात्मा का इस धरती पर अवतरण हुआ है। यह प्रत्येक टी. वी. चैनल्स, रेडियो, समाचरपत्रों के माध्यम से लोगों तक पहुंचे । परन्तु आज मीडिया का झुकाव ग्लैमर्स की तरफ हुआ है। मीडिया में ईश्वरीय सेवाओं को उचित स्थान मिले, इसके लिए अच्छे प्रजेन्टेशन की आवश्यकता है। आज के युग में अच्छे प्रजेन्टेशन के जरिये ही लोगों तक कोई भी सूचना पहुंचती है। इसके लिए हमारे अन्दर समाचार लेखन, लेख और फीचर्स लेखन की अच्छी कला विकसित हो जाये तो सहज ही बड़े पैमाने पर लोगों तक बाबा का संदेश पहुंच सकेगा। मीडिया की योग्यता के साथ-साथ बाबा की प्रत्यक्षता के लिए अपनी आत्मिक स्थिति को भी शक्तिशाली बनाना होगा।

मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष, ब्र. कु. करूणा ने कहा कि आज के आधुनिक युग में कम्यूनिकेशन का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। टी. वी. चैनलों की भरमार बढ़ती जा रही है। उसके बारे में जानना आवश्यक है। बाबा की सेवाओं को समय के अनुसार कैसे तीव्र गति से ले जायें उसके लिए हम सभी को अपने संकल्पों को और शक्तिशाली बनाना है। ओम शान्ति रीट्रिट सेन्टर की निदेशिका ब्र. कु. आशा ने मीडिया प्रभाग की ट्रेनिंग के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण से निश्चित तौर पर बाबा का संदेश लोगों तक पहुंचेगा। विद्यार्थी की सफलता उतनी ही अधिक होती है जितना विद्यार्थी की उत्कंठा होती है। प्रशिक्षणार्थियों से अनुरोध किया कि वे तन्मयता से सुने और प्रशिक्षण लेकर बाबा का नाम बाला करें।

ओम शान्ति मीडिया के सम्पादक, प्रो. कमल दीक्षित ने कहा कि पिछले तीस पैतींस सालो के अन्तराल में समाज में जटिलता बढ़ी है। जितनी लोगों में समझ बढ़ी है उतना सूचनाओं के आक्रमण के कारण लोगों की जटिलता भी बढ़ी है। आज जितना मीडिया के अन्दर और बाहर विभाजन हुआ है उसे अब समझना आवश्यक हो गया है। मीडिया में विस्तार के साथ-साथ उसके कौशल में भी इजाफा हुआ है। आज यदि समाज की बेहतरी की बात करनी है तो उसमें मीडिया की अति आवश्यकता है। यदि हम मीडिया की कौशल को समझ लें तो मीडिया से बात करने में आसानी होगी, और बाबा की सेवाओं में बढ़ोत्तरी होगी। भारत सरकार के भारतीय जनसंचार संस्थान के पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष दिल्ली के प्रो. प्रदीप माथुर ने कहा कि सहभागी को यह पता चलना चाहिए कि पूरे विश्व में किस तरह से मीडिया का प्रभाव बढ़ रहा है। दूसरा आधुनिक समाज में क्या प्रभाव डाल रहा है। एक तरह से मीडिया के समाज में चेतना का विकास हुआ है। वह हमारे उपर निर्भर करता है कि हम किस दृष्टिकोण से देख रहे है। जब संस्थान का समाचार प्रभावी होगा तभी समाज में इसका प्रभाव होगा।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पत्रकारिता विभाग के प्रोफेसर कृष्ण चन्द्र मौली ने कहा कि मीडिया प्रभाग तथा ब्र. कु. आशा बहन के निर्देशन में जो पहल हुई है वह बहुत उपयोगी और सराहनीय है। ऐसे कार्यक्रम का आयोजन लगभग सभी प्रदेशों में आयोजित की जाये तो बाबा का संदेश जल्दी से जल्दी लोगों तक पहुंच सकेगा। मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक ब्र. कु. सुशान्त ने ट्रेनिंग में आये भाई-बहनों तथा सहयोगियों का स्वागत किया तथा मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र. कु. शान्तनु ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन ओम शान्ति रीट्रिट सेन्टर की राजयोग शिक्षिका ब्र. कु. प्रीती ने कार्यक्रम का संचालन किया।